Literacy for a Billion

Movie: Zubeidaa
Year: 2001

Song: Main Albeli Ghoomun Akeli
Lyricist: Javed Akhtar

रँगीली हो सजीली हो
रँगीली हो सजीली हो
अलबेली ओ
अलबेली ओ
मैं अलबेली घूमूँ अकेली
कोई पहेली हूँ मैं
हो मैं अलबेली घूमूँ अकेली
कोई पहेली हूँ मैं
पगली हवाएँ मुझे
जहाँ भी ले जाएँ
इन हवाओं की सहेली हूँ मैं
तू है रँगीली हो
तू है सजीली हो
हो ...

हिरनी हूँ वन में
कली गुलशन में
शबनम कभी हूँ मैं
कभी हूँ शोला
शाम और सवेरे
सौ रँग मेरे
मैं भी नहीं जानूँ
आख़िर हूँ मैं क्या
तू अलबेली
घूमे अकेली
कोई पहेली
पहेली

मेरे हिस्से में आई हैं
कैसी बेताबियाँ
मेरा दिल घबराता है
मैं चाहे जाऊँ जहाँ
हूँ मेरे हिस्से में आई हैं
कैसी बेताबियाँ
मेरा दिल घबराता है
मैं चाहे जाऊँ जहाँ
मेरी बेचैनी ले जाए
मुझको जाने कहाँ
मैं इक पल हूँ यहाँ
मैं इक पल हूँ यहाँ
मैं हूँ इक पल वहाँ
तू बावली है
तू मनचली है
सपनों की है दुनिया
जिसमें तू है पली
मैं अलबेली घूमूँ अकेली
कोई पहेली हूँ मैं
हो मैं अलबेली घूमूँ अकेली

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.